पत्रांक:हिन्दी/पाठ्यसमिति/ दिनांक : 25 जून 2022

National Education Policy-2020

SYLLABUS KUMAUN UNIVERSITY

STRUCTURE OF UG HINDI SYLLABUS

2022

List of all Papers in Six Semester Semester-wise Titles of the Papers in HINDI					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
Certificate Course in ARTS-HINDI					
FIRST YEAR	I		प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा :व्याकरणElective	Theory	4
			कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा /Skill Development Course (प्रस्तावित)	Theory	3
	II		हिन्दी कथा साहित्य Major/Core	Theory	6
			प्रयोजनमूलक हिन्दी/Skill DevelopmentCourse (प्रस्तावित)	Theory	3

Diploma in ARTS-HINDI					
SECOND YEAR	III		रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा : स्वरूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा)Elective	Theory	4
			प्रयोजनमूलक कुमाउनी/Skill Development Course(प्रस्तावित)	Theory	3
	IV		नाटक एवं स्मारक साहित्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी पत्रकारिता/ Skill Development Course(प्रस्तावित)	Theory	3
Bachelor of ARTS-HINDI					
THIRD YEAR	V		द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य Major/Core	Theory	5
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता Major/Core	Theory	5
			हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली/Project	Project	4
	VI		हिन्दी निबंध Major/Core	Theory	5
			लोकसाहित्य Major/Core	Theory	5
			साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, आधुनिकताबोध, उत्तरआधुनिकता में से कोई एक/Project	Project	4

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):

1.साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का प्रतिदर्श है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान होता है।

2.शिक्षार्थी को राष्ट्र की सर्वप्रमुख भाषा हिन्दी के अत्यन्त समृद्ध साहित्य के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान होता है।

3.शिक्षार्थी को हिन्दी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है।

4.शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन सम्बन्धी पक्ष के रूप में हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है।

5.साहित्य के अध्ययन में अन्य अनुशासनों के सन्दर्भ यथा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय आदि समाहित होते हैं। स्नातक में हिन्दी साहित्य का चयन शिक्षार्थी को समग्र रूप से शिक्षित करता है।

6.शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिन्दी साहित्य की आधार व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।

Programme specific outcomes (PSOs):

***UG I Year / Certificate course*Arts with Hindi**

1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ।
3. शिक्षार्थी प्रमाण पत्र वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
4. प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजाविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs): *UG III Year / Bachelor of ARTS with Hindi*	
PSO 1	1. शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादी तथा छायावादोत्तर एवं समकालीन कविता, हिन्दी निबन्ध एवं लोक-साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO2	2. शिक्षार्थी के पास उपधि वर्ष में विगत वर्षों के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के विविध पक्षों तथा उनके अकादमिक स्वरूप ज्ञान होगा, उसे हिन्दी भाषा के व्याकरण एवं स्वरूप का ज्ञान होगा, उसे कार्यालयी हिन्दी तथा पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक विषयों का ज्ञान होगा और वह आगे की शिक्षा एवं शोध के लिए भाषा तथा साहित्य के उच्चस्तरीय आधारभूत ज्ञान व कुशलता के साथ उपाधि प्राप्त करेगा।

Programme specific outcomes (PSOs): *UG II Year/ (Diploma in ARTS with Hindi*
1. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांग परिचय तथा नाटक एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा। 2. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठृयक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी भाषा के स्वरूप का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा । विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा । 3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। 4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

	Year wise Structure of UG / BA (CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)									
	Subject:Hindi									Total Credits /hrs/
Course/ Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1 Major Course	Credit	Paper 2 Minor Elective	Credit 4/5/6	Paper 3 Vocational/Skill Development Course	Credit s /hrs	Research Project	Credit/	
Certificate Course In Arts-HINDI	I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा :व्याकरण	4	कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा/Skill Development Course(प्रस्तावित)	3			13
		II	हिन्दी कथा साहित्य	6			प्रयोजनमूलक हिन्दी/Skill Development Course(प्रस्तावित)	3			09
Diploma in Arts HINDI	II	III	रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन	6	हिन्दी भाषा :स्वरूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा आदि)	4	प्रयोजनमूलक कुमाउनी/Skill Development	3			13

							Course(प्रस्तावित)				
		IV	नाटक एवं स्मारक साहित्य	6			हिन्दी पत्रकारिता/ Skill Development Course(प्रस्तावित)	3			09
Bachelor of Arts HINDI	III	V	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	5					हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली	4	14
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता	5							
		VI	हिन्दी निबंध	5					साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, आधुनिकता बोध, उत्तरआधुनि	4	14

									कता में से कोई एक		
			लोकसाहित्य	5							

Comments	कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

Internal Assessment & External Assessment			
Internal Assessment	Marks 25	External Assessment	Marks 75
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि		लिखित परीक्षा	

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS-Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-I
Subject: Hindi		
CourseCode:	Course Title: **प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
4.शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures

Unit I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	10
Unit II	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य :भक्ति आन्दोलन,प्रमुख सिद्धान्त, निर्गुण काव्य – ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुण काव्य – रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफीकाव्य	10
Unit III	चंदबरदाई और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit IV	कबीर और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit V	जायसी और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit VI	सूरदास और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit VII	तुलसीदास और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1.प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य -संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

सहायक ग्रंथ

2 कबीर :एक नई दृष्टि -डॉ .रघुवंश, लोकभारती, 15 एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,

3. जायसी :एक नई दृष्टि -डॉ .रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद,

4. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्ब योजना -डॉ .मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली।

5. जायसी -विजयदेव नारायण साही; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS – Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **हिन्दी भाषा :व्याकरण**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है। 2.शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है। 3.शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार- समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है। 4.शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक –प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।		
Credits:4		Elective Paper

Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वर्ण विचार - हिंदी वर्णमाला :स्वर और व्यंजन,वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	07
Unit II	हिंदी-वर्तनीः हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन।	07
Unit III	शब्द विचार :- (व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण)विकारी और अविकारी शब्द	07
Unit IV	हिंदी शब्द रचना -समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्द भेद -रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर -तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द।	07
Unit V	पारिभाषिक शब्द :तात्पर्य, परिभाषा। शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक ।	07
Unit VI	विरामचिह्न और उनका प्रयोग।	07
Unit VII	वाक्यरचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि।	07

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति,बद्रीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण,कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा: कल आज कल, पूरन चन्द्र टंडन, मुकेश अग्रवाल, किताबघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी,नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण,कैलाश चन्द्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
9.हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी :नागरी प्रचारिणी सभा।
10.हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम,रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:II Paper-I
Subject: Hindi		
Course	Course Title: **हिंदी कथा-साहित्य**	

Code:	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास	10

Unit IV	हिन्दी उपन्यास का शिल्प	10
Unit V	हिन्दी कहानी का शिल्प	10
Unit VI	त्यागपत्र : जैनेंद्र	10
Unit VII	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ: उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1. कहानी सप्तक - संपादकःप्रो .नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)

सहायक ग्रंथ

2. कहानी :नई कहानी -डॉ .नामवर सिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3. हिंदी कहानी :पहचान और परख -इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी :संवाद का तीसरा आयाम -बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली,
6. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
7. समकालीन हिंदी कहानी -गंगाप्रसाद विमल) सं., मैकमिलन, दिल्ली।

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत रस के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत अलंकार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत शब्द शक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास	05

Unit II	रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	05
Unit III	प्रमुख रीतिकालीन कवि : 1. केशवदास 2. बिहारी 3. देव 4. घनानंद 5. भूषण **रीतिकालीन काव्य -संपादक :प्रो .मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)**	20
Unit IV	छंद –निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण -दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, बरवै, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा	10
Unit V	अलंकार –निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण -अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।	10
Unit VI	रस :रसावयव -स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव। रसभेद -श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य –रसों के लक्षण एवं उदाहरण।	10
Unit VII	शब्दशक्तियाँ- शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय -अभिधा, लक्षणा, व्यंजना ,शैली विज्ञान का संक्षिप्त परिचय।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70+20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1. रीतिकालीन काव्य -संपादक :प्रो .मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

सहायक ग्रंथ

2. काव्यप्रदीप –रामबहोरी शुक्ल,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
4. मध्यकालीन बोध का स्वरूप -डॉ .हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
5. मध्यकालीन काव्य साधना -डॉ .वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. रस, छंद, अलंकार -डॉ .केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title:हिन्दी भाषा :स्वरूप	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
5. शिक्षार्थी विभिन्न व्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिन्दी के मानकीकृत रूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits:4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	07
Unit II	हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।	07

Unit III	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ) -1 पश्चिमी हिंदी)2 पूर्वी हिंदी)3 राजस्थानी)4 बिहारी)5 पहाड़ी एवं उसकी बोलियाँ।	07
Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा,	10
Unit V	हिन्दी और न्यू मीडिया ।	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक।	07
Unit VII	निबंध लेखन।	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

सहायक ग्रंथ

1 डॉ .केशवदत्त रुवाली -हिंदी भाषा :प्रथम भाग, हिंदी भाषा :द्वितीय भाग

2. डॉ .धीरेन्द्र वर्मा -हिंदी भाषा का इतिहास।

3. डॉ .भोलानाथ तिवारी -हिंदी भाषा।

4. डॉ .देवेन्द्र नाथ शर्मा –हिंदी भाषा का विकास।

5. डॉ .कैलाश चंद्र भाटिया -प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।

6. डॉ .पूरनचंद्र टण्डन -व्यावहारिक हिंदी।

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:IV Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **नाटक एवं स्मारक साहित्य**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्य समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
6. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of

		Lectures
Unit I	नाटक : विधागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी	10
Unit III	स्मारक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति–माखनलाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) – अज्ञेय, दादा स्वर्गीय पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'—डॉ. नगेन्द्र, निराला भाई –महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद –शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्श– सेठ गोविन्ददास, एक कुत्ता और एक मैना –हजारीप्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक –विष्णुकान्त शास्त्री	10
Unit V	जीवनी एवं आत्मकथा	10
Unit VI	यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज	10
Unit VII	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	10

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1. स्मरण वीथिका– प्रो. निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)

सहायक ग्रंथ

2. प्रसाद के नाटक :स्वरूप और संरचना -डॉ .गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी स्मारक साहित्य -डॉ .केशवदत्त रुवाली एवं डॉ .जगत सिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
4. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ -डॉ .निर्मला ढैला एवं डॉ .रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Paper-I
Subject: Hindi		

Course Code:	Course Title: **द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य**

Course Outcomes:

1.शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

2.शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

3.शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

6.शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्वऔर संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	08

Unit II	छायावादीकाव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	09
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	08
Unit IV	मैथिलीशरणगुप्त (पंचवटी)	08
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आँसू तथा गीत)	08
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	08
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	08
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत–धीरे धीरे उतर क्षितिज से, बीन भी हूँ मैं, लाए कौन संदेश नए घन, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, हे चिर महान, सब बुझे दीपक जला लूँ)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य -संपादक :प्रो .चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)

सहायक ग्रंथ

2. छायावाद –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
3. छायावाद और रहस्यवाद -गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. आधुनिक कविता यात्रा -रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. निराला :मूल्यांकन -इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. पंत की काव्य भाषा -कांता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
7. छायावाद की परिक्रमा -डॉ .श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **छायावादोत्तर हिंदी कविता**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।		

4. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रगतिवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	14
Unit II	प्रयोगवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit III	नयी कविता : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit IV	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit V	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अज्ञेय (कलगी बाजरे की,यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल-गलती, एक रग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना,वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण	20

	(नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे,गीतफ़रोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा,हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात,फ़र्क नहीं पड़ता)	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. छायावादोत्तर हिंदी कविता -संपादक :प्रो .शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)

सहायक ग्रंथ

2. नई कविताएँ : एक साक्ष्य -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
3. नयी कविता : नये कवि -डॉ .विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद,
4. हिंदी के आधुनिक कवि -डॉ .द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां –नामवर सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान –प्रो .निर्मला ढैला बोरा, आधार शिला प्रकाशन, हल्द्वानी
7. छायावाद की परिक्रमा -डॉ .श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Project
Subject: Hindi		

Course Code:	Course Title:**लघुशोध अध्ययन एवं कार्य –हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली**

Course Outcomes:

शिक्षार्थी इस लघु शोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करता है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी के प्रसार के लिए यह अध्ययन आवश्यक है।

Credits:4	Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : परिभाषा एवं अर्थ। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग –स्थापना, इतिहास, उद्देश्य आदि।	20
Unit II	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : चयन एवं निर्माण, प्रकिया एवं महत्व।	20
Unit III	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : समस्याएं और समाधान।	20

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **हिंदी निबंध**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।		

4.शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।	
Credits: 5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार उद्भव एवं विकास	09
Unit II	बालकृष्ण भट्ट (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	08
Unit III	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (कछुआ धर्म)	08
Unit IV	रामचन्द्रशुक्ल (कविता क्या है)	08
Unit V	महादेवी वर्मा (जीने की कला)	08

Unit VI	हजारी प्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल)	08
Unit VII	हरिशंकर परसाई (पगडंडियों का ज़माना)	08
Unit VIII	विद्यानिवास मिश्र (अस्ति की पुकार)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध -संपादक :प्रो .नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)

सहायक ग्रंथ

2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार -डॉ .हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार -डॉ .गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी गद्य :विन्यास और विकास -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper-II
Subject: Hindi		

Course Code:	Course Title: **लोक साहित्य**

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures

Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ।	**15**
Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत।	**12**
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप–रामलीला, स्वाँग, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली।	**12**
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार -व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढियाँ एवं अभिप्राय।	**12**
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ– राजुला-मालूशाही, गौरा-माहेश्वरी, तीलूरौतेली।	**14**
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. लोकसाहित्य–सम्पादक :प्रो .चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)

सहायक ग्रंथ

2. लोक साहित्य की भूमिका :कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय :विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य :श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Project
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title:**लघुशोध अध्ययन एवं कार्य – साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन**	
Course Outcomes: शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की साहित्यिक विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। हिन्दी साहित्य में उच्चस्तरीय शोध के लिए यह पूर्व-अध्ययन अत्यन्त आवश्यक है।		

Credits:4		Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures/Hours
Unit I	निम्नांकित विचारधाराओं अथवा साहित्य आन्दोलनों में से किसी एक पर लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य करना है – 1. भक्ति-आन्दोलन 2. छायावाद 3. प्रगतिवाद 4. राष्ट्रवाद 5. आधुनिकताबोध 6. उत्तरआधुनिकता	60
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-III
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title :कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी स्थानीय सांस्कृतिक परम्पराओं से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के विवधि पक्षों से परिचित होता है।
4. शिक्षार्थी कुमाउनी के सामान्य व्याकरण तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:3	Skill Development Course (प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृति : अर्थ एवं स्वरूप, मानव सभ्यताओं का विकास और स्थानीय संस्कृतियाँ, कुमाउनी संस्कृति का परिचय एवं विविध पक्ष	13
Unit II	कुमाउनी भाषा : परिचय एवं स्वरूप, कुमाउनी भाषा के विविध रूप	12
Unit III	कुमाउनी का सामान्य व्याकरण– वर्णमाला, शब्द रचना आदि	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08

		Total-45

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:II Paper-II
Subject Hindi		
Course Code:	Course Title : **प्रयोजनमूलक हिंदी**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी सामान्य कार्यालयी प्रयोजनों यथा कार्यालयी पत्राचार, प्रारूपण, टिप्पण आदि में हिन्दी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी हिन्दी भाषा की कम्प्यूटिंग यथा टाइपिंग, फांट प्रबन्धन, वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग का ज्ञान प्राप्त करता है। 4.शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी.वी. वीडियो, इंटरनेट आदि के क्षेत्र में लेखन-सम्पादन सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी जनसंचार माध्यमों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits:3	Skill DevelopmentCourse	

	(प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, रूप, विशेषताएँ, प्रयुक्तियाँ, महत्व, उपयोगिता, सीमाएँ और सम्भावनाएँ	08
Unit II	पत्राचार : प्रारूपण आलेखन, टिप्पण, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय-ज्ञापन, ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, पृष्ठांकन, अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रेस विज्ञप्ति, सूचना	08
Unit III	भाषा कम्प्यूटिंग : डेटा, वर्ड प्रोसेसिंग, फांट प्रबंधन, यूनिकोड हिन्दी फांट	08
Unit IV	अनुवाद : स्वरूप, प्रकार एवं महत्व, भाषांतरण, लिप्यातंरण	08
Unit V	संचार : स्वरूप, कार्यक्षेत्र व प्रकार, जनसंचार और भाषा	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	40 05 Total-45

पाठ्यपुस्तक

1.प्रयोजनमूलक हिन्दी :विविध सन्दर्भ–प्रो.निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी

सहायक ग्रंथ

2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी)- डॉ. शंकरक्षेम एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली

3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली,

4. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन

5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलकहिंदी- डॉ. रमाप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नईदिल्ली

6. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन

7. कामकाजी हिंदी- डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन दिल्ली,

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-III
Subject :Hindi		
Course Code:	Course Title: प्रयोजनमूलक कुमाउनी	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी प्रयोजनमूलक कुमाउनी भाषा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी सरकारी कार्यो/प्रतियोगी परीक्षाओं व साक्षात्कार माध्यमों आदि में कुमाउनी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी. वी. तथा इंटरनेट आदि के क्षेत्र में कुमाउनी में लेखन- संपादन संबंधी ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी अनुवाद की प्रक्रिया का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 3	Skill Development Course (प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रयोजनमूलक कुमाउनी का अभिप्राय, कुमाउनी का व्यावहारिक प्रयोग	06
Unit II	परीक्षाओं/साक्षात्कारों में कुमाउनी,जनसंचार माध्यमों में कुमाउनी- पत्र-पत्रिकाएं, रेडियो, टी0वी0, इंटरनेट तथा नव जनसंचार में कुमाउनी,टी0वी0 धारावाहिक,फिल्मों तथा गीतों में कुमाउनी	11

Unit III	कुमाउनी में कोश विषयक कार्य, कुमाउनी तथा अन्य बोली-भाषाओं में द्विभाषिक या बहुभाषिक शब्द कोश (ङ) अन्य क्षेत्रों में कुमाउनी।	10
Unit IV	अनुवाद : हिंदी से कुमाउनी में अनुवाद, कुमाउनी से हिंदी में अनुवाद।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total-45

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:IV Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title : **हिंदी पत्रकारिता**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी को पत्रकारिता के स्वरूप और प्रमुख प्रकारों का ज्ञान होता है।
2.शिक्षार्थी को हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का ज्ञान होता है।
3. शिक्षार्थी को पत्रकारिता के मूल तत्वों का ज्ञान होता है।
4. शिक्षार्थी को सम्पादन कला के विभिन्न आयामों का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को पत्रकारिता से जुड़ी लेखन प्रविधियों का ज्ञान होता है।
6. शिक्षार्थी को प्रेस क़ानून तथा प्रेस आचार संहिता का ज्ञान होता है।
7. शिक्षार्थी को लोकतंत्र में मुक्त पत्रकारिता के महत्व का ज्ञान प्राप्त होता है।

Credits: 3	Skill DevelopmentCourse (प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार । हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	08

Unit II	समाचार के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।	08
Unit III	दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।	08
Unit IV	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।	08
Unit V	प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	40 05 Total-45

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास- अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत (दोखण्ड)- शंभुनाथ (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. साहित्यिक पत्रकारिता- ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. विज्ञान पत्रकारिता- डॉ. मनोज पटैरिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. पत्रकारिता के नए आयाम- एस0के0दुबे, लोकभारती, प्रकाशन इहालाबाद।